JAI SHANKER SEEDS PVT.LTD

PRODUCT CATALOUGE

ABOUT US

The Saga of Jai Shankar Seeds begans in 1969 at Sri Ganganagar in Rajasthan by Mr. Laxmi Narayan Gupta, who laid the foundation of the company with a clear vision in eyes touplift the Indian farmers by providing them with true & maximum value of their produce and started working in the field of agriculture produce at Rajasthan.He recognized the need of the farmers for growing good quality seed and thus started a firm called Jai Shankar Beej Bhandar with his two sons, Mr. Dinesh Kumar Gupta and Mr. Ravi Shankar Gupta. They started with small seed production unit and eventually become one of the largest seed production unit in North India. In continuance to their entrepreneurial voyage, the company was formally recognized by the name Jai Shankar Seed (P) Ltd. in the year 2009 as a Registered Private Limited Company under the Indian Companies Act. for the production and marketing of various hybrid crops. The Company has vast experience in seed production of major agricultural crops which is backed by in-house Research and Development (R&D) facility which has high yielding hybrid and varietal crops like Wheat, Non Bt Cotton, Moong, Mustard, Barley, Guar, Moth, Sorghum Sudan Grass,Pearl Millet (Bajra), Arhar, Oats seed.Ever since its inception, the company has been driven by continuous innovation in every field of activity like Management, Research, Production, Processing, Quality and Marketing.We boast a significant goodwill with all our associate farmers and are keen to serve Indian farmers for overall development. The directors acquired rich and varied experience in the seed industry over the past several decades and a team of experienced employees renders managerial and technical services to the company.The company has excellent processing facilities and efficient seed production techniques considering seed quality and purity. The services network provides technical support to several thousand farmers enabling them to produce high quality seeds.

INFRASTRUCTURE

INDEX

RABI

01 GOURI–75

02 YASHRAJ

03 SHIKHAR

04 GANGA–75

05 RUDRA

06 75N78

07 DRON

08 SONA CHANDI

09 GATTU JAVI

10 NOTFIED
(WHEAT, BARLEY GRAM)

KHARIF

11 TILAK

12 TILAK GOLD

13 SHANKAR–172

14 SHANKAR–1

15 TEJAJI–75

16 MAKHANI

17 MAKHANI GOLD

18 WONDER

19 HARI GOLD

20 SUHANI–75

21 RASBHARI

22 YASH-364

23 KESAR-115

24 NOTIFIED
(Moong, Guar, moth)

INDEX

RABI

NOTFIED

WHEAT

Raj-1482, Raj-3765, Raj-3077
Raj-4037, Raj-4083, PBW-869
PBW-550, PBW-677, PBW-502
DBW-303, DBW-187, DBW-222
C-306, WH-711, WH-1124, WH-1105
WH-147, HD-2851, HD-2967, HD-3086
C-306, PBW-343(U), HD-2733

BARLEY

RD-2035, RD-2052, PL-426, BH-393
BH-946, DWRB-160, RD-2552, PL-172

GRAM

GNG-469 (Samrat), GNG-1581
(gungour), GNG-1958, RNG-1958
RNG-888, HC-5

MUSTARD

LAXMI, PUSA BOLD, ROHINI, RGN-303
RGN-298, RH-749, RH-30
PUSA JAI KISAN, RH-725, VARUNA

KHARIF

NOTFIED

MOONG

SML-668, IMP-02-03, MH-421
IMP-2-14, K-851, IMP-205-7, SML-1827
MH-1142, MUM-2

GUAR

HG-265, HG-563, HG-2-20, RGC-936
RGC-197, RGC-197, RGC-1002
RGC-1055

MOTH

GNG-469 (Samrat), GNG-1581
(gungour), GNG-1958, RNG-1958
RNG-888, HC-5, RMO-40, RMO-2251

गौरी - 75

(संशोधित गेहूं बीज)

कम पानी में भी अधिक उत्पादन वाली किस्म

- मोटे एवं चमकदार दाने
- खाने मे स्वादिष्टि एवं अत्यधिक पौष्टिक
- नरम एवं मुलायम रोटी
- रोगो के प्रति सहनशील किस्म
- कल्लो की संख्या अतयधिक एवं अधिक पैदावार
- कम पानी वाली अन्य प्रचलित किस्मो से अधिक उत्पादन
- औसत पैदावार 22 - 24 क्विंटल/ एकड़

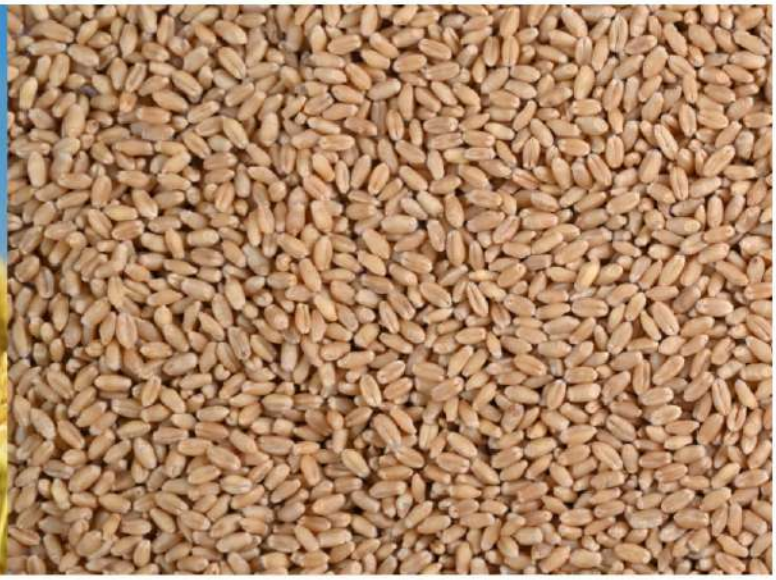

यशराज

(संशोधित गेहूं बीज)

- पौधों की औसत ऊंचाई 100-115 से.मी.
- बड़े एवं चमकदार दाने
- अन्य किस्मो के तुलना में भूरी एवं पीली रतुआ रोग के प्रति सहनशील किस्म
- फुटाव एवं कल्लो की संख्या अधिक
- 1000 दानों का वजन 39 से 45 ग्राम
- 140-145 दिनों में पककर तैयार
- औसत पैदावार 23-25 क्विंटल एकड़
- प्रोटीन की मात्रा 12.75 प्रतिशत

शिखर

(संशोधित जौ बीज)

माल्ट ज्यादा तो भाव ज्यादा

- अन्य प्रचलित किस्मों की अपेक्षा कम ऊंचाई से पौधे गिरने की अवस्था में सहनशील किस्म।
- पीले एवं मोटे दाने ,1000 दानों का वजन 46 से 49 ग्राम ।
- अत्यधिक उत्पादन एवं पीला रतुआ रोग के प्रति अत्यधिक रोधी किस्म।
- अन्य प्रचलित किस्मों से माल्ट व वज़न मे अधिक जिससे भाव मिले ज्यादा ।
- 115 -117 दिन में पक कर तैयार।
- औसत पैदावार 26-28 क्विंटल प्रति एकड।

गंगा - 75

(संशोधित जौ बीज)

- कल्लों की अत्यधिक संख्या व अधिक पैदावार
- पीला रतुआ एवं पत्तों के झुलसा रोगों के लिए अवरोधी किस्म
- मोटे एवं वजनदार दाने
- आडा गिरने वाली समस्या नहीं
- औसत पैदावार 24-26 क्विंटल/एकड़

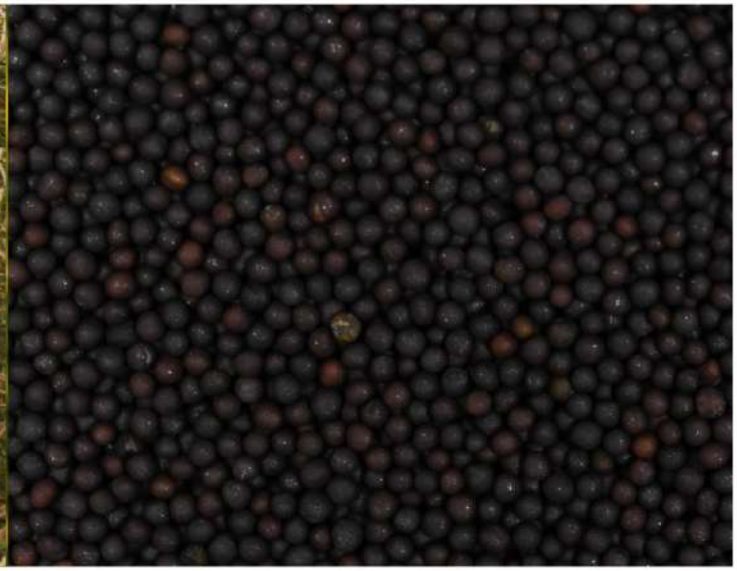

रुद्रा

(75N95)

(हाइब्रिड सरसों बीज)

- पौधों की ऊंचाई 180-185 से.मी. ।
- शाखायें पौधे के निचले भाग से शुरू होकर ऊपर तक।
- फलियां कम दूरी पर स्थित एंव अत्यधिक फैलावदार पौधे।
- प्रति फली में 17 से 18 दाने ।
- तेल की प्रतिशत मात्रा 40.5-42.0 प्रतिशत जिससे बाजार भाव में अधिक मुनाफ़ा ।
- एक हज़ार दानो का वजन 5.9 ग्राम ।
- पकने की अवधि 130-135 दिन ।
- औसत उपज 10.0 से 10.5 क्विंटल प्रति एकड।

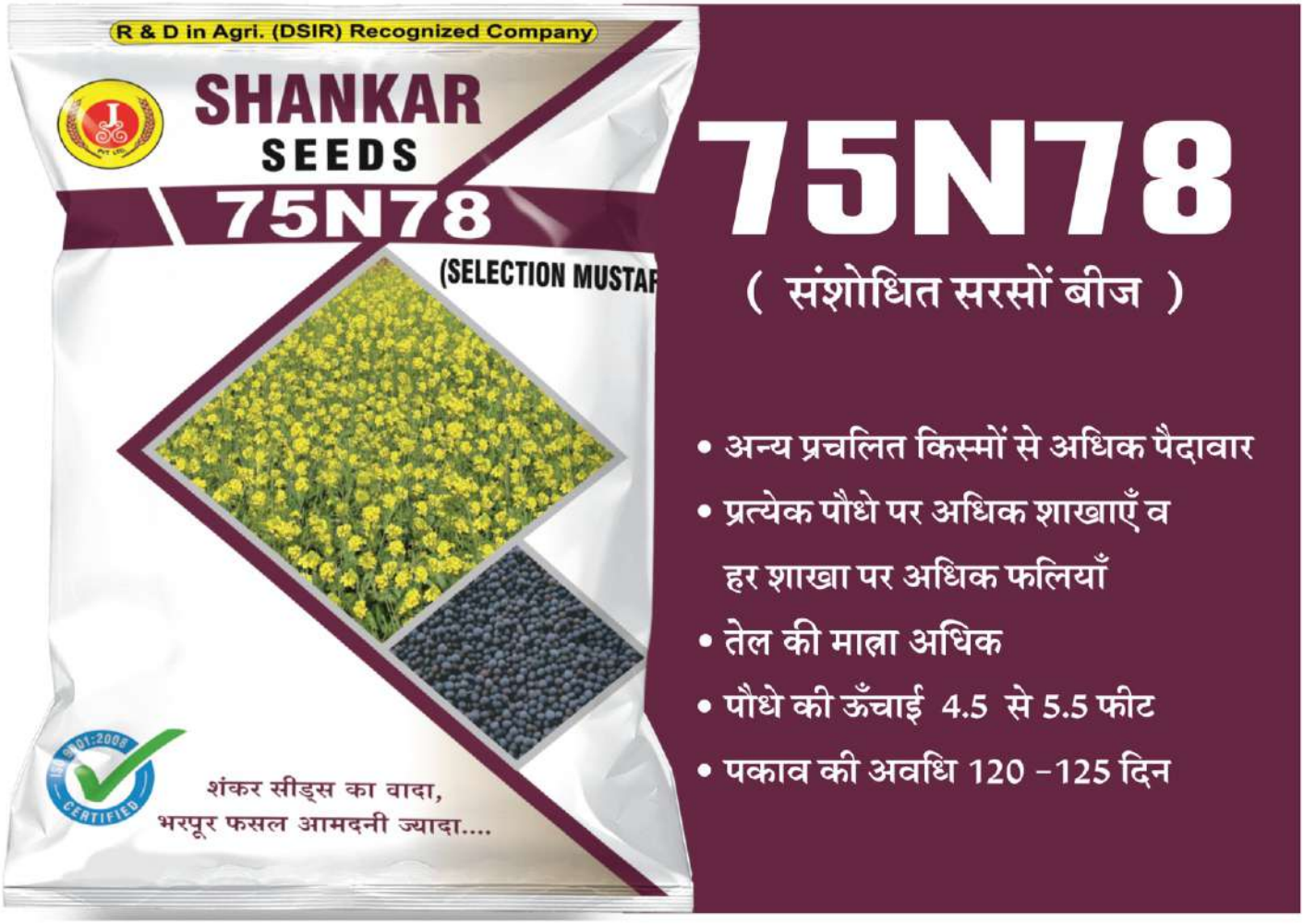
R & D in Agri. (DSIR) Recognized Company
SHANKAR
SEEDS
75N78
(SELECTION MUSTAR
शंकर सीड्स का वादा,
भरपूर फसल आमदनी ज्यादा....
75N78
(संशोधित सरसों बीज)
• अन्य प्रचलित किस्मों से अधिक पैदावार
• प्रत्येक पौधे पर अधिक शाखाएँ व
हर शाखा पर अधिक फलियाँ
• तेल की मात्रा अधिक
• पौधे की ऊँचाई 4.5 से 5.5 फीट
• पकाव की अवधि 120 -125 दिन

द्रोण

(संशोधित सरसो बीज)

- पौधे की ऊंचाई 5.5 से 6.5 फीट
- चिपवी, लंबी एव लप्रीदार फलियां
- पकाव की अवधि 120 - 130 दिन
- तेल की प्रतशित मात्रा अधिक
- बड़े एवं काले रंग के मोटे दाने
- पाले के प्रति सहनशील किस्म

R & D in Agri. (DSIR) Recognized Company
Shankar
SEEDS
Sona Chandi
Machine Cleaned Oats
Net Weight
25 Kg
सोना चांदी
(मशीन क्लीन जई)
• 4.5 से 5 फीट ऊंचाई
• चौड़े ,पौष्टिक एवं स्वादिष्ट पत्ते
• 2 से 3 कटाई एवं ज्यादा समय तक हरा चारा
• पचाने में आसान एवं पशुओं में दूध की मात्रा बढ़ाने में सहायक

तिलक

(संशोधित मूंग बीज)

- मध्यम आकार के एक समान चमकदार एवं हरे दाने
- अन्य किस्मों की तुलना में अधिक उपज
- कम समय मे पककर तैयार
- एक साथ फलियों का पकाव एवं कम्बाइन हार्वेस्टिंग

तिलक गोल्ड

(संशोधित मूंग बीज)

- एक समान लम्बी व मोटी फलियाँ जो पकने पर चटकती नहीं।
- पीला मौज़ेक रोग के प्रति सहनशील किस्म
- एक समान चमकदार हरे एवं मोटे दाने
- अन्य प्रचलित किस्मों की तुलना में अधिक उपज
- कम समय मे पककर तैयार

शंकर-172

(संशोधित ज्वार बीज)

- अत्यधिक फैलावदार पौधे एवं भरपूर फलियाँ
- लंबी गुच्छेदार फलिया एवं फलियों मे दानो की संख्या अधिक
- मध्यम आकर के भूरे एवं वजनदार दाने
- पकने की अवधि 100 - 110 दिन

शंकर – 1

(संशोधित ग्वार बीज)

- यह ग्वार की फैलने वाली किस्म है
- इस किस्म में अधिक शाखाएँ होती है एवं फलियां निचले भाग से शुरू होकर लगती है।
- अन्य किस्मों की अपेक्षा अधिक उपज
- यह किस्म 100 से 110 दिन में पककर तैयार होती है

तेजा जी – 75

- यह ग्वार की Single Stem (एक नलिया) किस्म है
- पकने की अवधि 105–110 दिन
- बीज की मात्रा 7 से 8 किग्रा. प्रति एकड़ (मिट्टी के अनुसार)
- दाने का रंग हल्के हरे रंग का होता है
- इस किस्म की फलियां नीचे से उपर तक भरपूर लगती है इसलिए इसकी पैदावार अन्य सभी किस्मों से अधिक है

मखानी

(मल्टीकट हाइब्रिड ज्वार)

- अधिक हरे , चौड़े एवं रसीले पत्ते
- पचाने में आसान
- अधिक फुटाव एवं बार बार कटाई वाली ज्वार
- मुलायम एवं रसीले तने
- अधिक प्रोटीन युक्त पौष्टिक चारा

मखनी गोल्ड

(मल्टीकट हाइब्रिड ज्वार)

- अन्य प्रचलित किस्मो से अधिक ऊंचाई वाली हाइब्रिड किस्म
- अधिक प्रोटीन व पोषण से भरपूर हरा एवं मीठा चारा
- पशुओं में दूध की मात्रा बढ़ाने में सहायक
- बार बार कटाई वाले मुलायम व चौड़े पत्ते
- कीटों एवं रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता अधिक

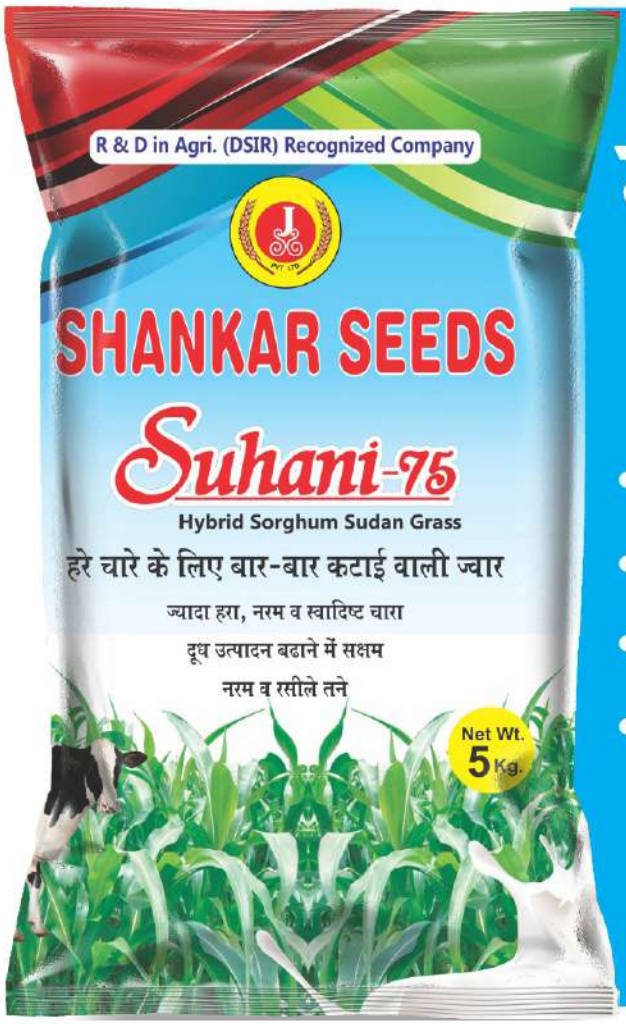

सुहानी - 75

(हाइब्रिड ज्वार बीज)

- नरम, मुलायम एवं चौड़े पत्ते
- बार बार कटाई वाली हाइब्रिड ज्वार
- नरम मोटे एवं रसीले दाने
- अत्यधिक पौष्टकि एवं पाचन मे आसान

यश - 364

(हाइब्रिड बाजरा बीज)

- कम समय अवधि में पककर तैयार (72-75) दिन
- मोटा एवं मजबूत तना लगभग (6 - 8 फीट)
- पकने मे एकरूपता
- हर परिस्थिति मे फसल खड़ी रहे
- रोगो के प्रति सहनशील
- लम्बा ठोस एवं बेलनाकर सिट्टा
- कम पानी वाले क्षेत्र के लिए उपयुक्त किस्म
- अधिक उत्पादन देने वाली एवं खाने में स्वादिष्टि किस्म

केसर - 115

(हाइब्रिड बाजरा बीज)

- फसल अवधि (75-80) दिन
- पौधे की ऊंचाई लगभग 8 से 10 फीट
- मोटा तना एवं गिरने की समस्या नही
- लम्बा एवं ठोस सीट्टा
- डाउनी मील्डयू रोग के प्रति सहनशील
- गहरे हरे रंग की चौड़ी पत्तीयाँ
- दाने एवं चारे की अधिक उपज देने वाली किस्म
- उत्तम गुणवत्ता वाले मध्यम, चमकदार दाने

वंडर

(मल्टीकट हाइब्रिड ज्वाट)

- बार बार कटाई वाला वजनदार हरा चारा
- अधिक ऊंचाई व तेजी से बढ़ने वाली लम्बी अवधि की किस्म
- मीठा, रसीला, मोटा तना एवं नरम हरा चारा
- प्रोटीन की अधिक माला व दूध बढ़ाने में सहायक
- पशुयों के लिए पॉष्टिक एवं स्वादिष्ट हरा चारा

रसभरी

(मल्टीकट फोरेज बाजरा)

- अधिक फुटाव एंव ऊंचाई वाली किस्म
- रसीला तना एंव नरम, मुलायम चोड़े पत्ते
- पशुओ के लिए पौष्टिक एवं दूध की माला बढ़ाने में सहायक
- हरे चारे, सूखे चारे एवं साइलेज के लिए उत्तम किस्म
- कीटो एव रोगो के प्रति प्रतिरोधक क्षमता अधिक